भारतीय निर्यात-आयात बैंक

प्रेस विज्ञप्ति

विज्ञप्ति क्रमांक : 10/2009

21.05.2009 को 12.30 बजे अप. से पूर्व प्रकाशित न किया जाए।

प्रे स वि ज्ञ प्ति

एक्ज़िम बैंक द्वारा 2008-09 के वार्षिक परिणामों की घोषणा

बैंक ने ऋण-आस्तियों, संसाधनों तथा निवल लाभ में प्रभावी वृद्धि दर्ज की

भारतीय निर्यात-आयात बैंक (एक्ज़िम बैंक) के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक श्री टी. सी. वेंकट सुब्रमणियन ने गुरुवार 21 मई 2009 को मुंबई में आयोजित एक प्रेस सम्मेलन में वर्ष 2008-09, जो कि बैंक के परिचालनों का 27 वां वर्ष है, के लिए बैंक के परिणामों की घोषणा की।

वित्तीय निष्पादन

- कर पूर्व लाभ 610 करोड़ रुपये तथा निवल लाभ (कर पश्चात) 477 करोड़ रुपये रहा।
- पूंजी पर्याप्तता (जोखिम आस्तियों की तुलना में पूंजी अनुपात) 31 मार्च 2008 के 15.13% की तुलना में यथा 31 मार्च 2009 को 16.77% रही।

व्यवसाय निष्पादन

- ऋण आस्तियाँ 18% की वृद्धि दर्ज करते हुए 31 मार्च 2008 के 29,152 करोड़ रुपये से बढ़कर 31 मार्च 2009 को 34,505 करोड़ रुपये हो गईं। ऋण मंजूरियाँ वर्ष 2008-09 के दौरान 33,628 करोड़ रुपये की रहीं, जबकि संवितरण 28,933 करोड़ रुपये रहे।
- निवल गैर-निष्पादक आस्तियां यथा 31 मार्च 2009 को गत वर्ष के 0.29% की तुलना में घटकर निवल ऋण आस्तियों का 0.23% रहीं।
- वर्ष के दौरान बैंक ने भारत से परियोजनाओं, माल तथा सेवाओं के निर्यात में सहायता देने के लिए 20 देशों को कुल 783.5 मिलियन यू एस डॉलर की 25 ऋण-व्यवस्थाएं प्रदान कीं। वर्तमान में अफ्रीका, एशिया, सी आई एस, यूरोप तथा लैटिन अमेरिका में 94 देशों को शामिल करते हुए कुल 3.75 बिलियन यू एस डॉलर राशि की 114 ऋण-व्यवस्थाएं उपभोग के लिए उपलब्ध हैं जबकि कई ऋण-व्यवस्थाएं बातचीत के विभिन्न चरणों में हैं। बैंक ऋण-व्यवस्थाएं प्रदान करने पर विशेष जोर देता है क्योंकि यह लघु एवं मध्यम उद्यमों के लिए बाजार प्रवेश की एक प्रभावी व्यवस्था है।
- वर्ष के दौरान एक्ज़िम बैंक की सहायता से 25 कंपनियों द्वारा 29 देशों में 26,709 करोड़ रुपये मूल्य की परियोजना निर्यात संविदाएं प्राप्त की गईं।

- वर्ष के दौरान 16 कंपनियों को 11 देशों में उनके विदेशी निवेश के आंशिक वित्तपोषण के लिए 2,338 करोड़ रुपये की निधिक तथा गैर-निधिक सुविधाएं प्रदान की गई। एक्ज़िम बैंक ने अब तक ऑस्ट्रिया, कनाडा, चीन, आयरलैंड, इंडोनेशिया, इटली, मलेशिया, मॉरिशस, मोरक्को, नीदरलैंड्स, ओमान, रोमानिया, सिंगापुर, स्पेन, दक्षिण अफ्रीका, श्री लंका, यू ए ई, यू के तथा यू एस ए सहित 63 देशों में 193 से अधिक कंपनियों द्वारा स्थापित 241 उद्यमों को सहायता प्रदान की है।

- यथा 31 मार्च 2009 को बैंक की बहियों में गारंटियाँ 3,540 करोड़ रुपये की थीं।

संसाधन/राजकोष

- वर्ष के दौरान भारत सरकार की ओर से बैंक को 300 करोड़ रुपये की पूंजी प्राप्त हुई तदनुसार यथा 31 मार्च 2009 को बैंक की चुकता पूंजी बढ़कर 1,400 करोड़ रुपये हो गयी जबकि बैंक की प्राधिकृत पूंजी 2,000 करोड़ रुपये है।

- वर्ष के दौरान बैंक ने विभिन्न परिपक्वता अवधियों की कुल 17,650 करोड़ रुपये की उधार राशियाँ जुटाई जिनमें 11,708 करोड़ रुपये के रुपया संसाधन और 1.17 बिलियन यू एस डॉलर के समतुल्य के विदेशी मुद्रा संसाधन शामिल थे। वर्ष के दौरान द्विपक्षीय/क्लब ऋणों के जरिए 725 मिलियन यू एस डॉलर के समतुल्य तथा स्वैपों की खरीद-बिक्री के जरिए 447 मिलियन यू एस डॉलर के समतुल्य विदेशी मुद्रा संसाधन जुटाए गए।

- यथा 31 मार्च 2009 को बैंक के पास बांडों/वाणिज्यिक पत्रों तथा जमा प्रमाण-पत्रों सहित बकाया रुपया उधार राशियाँ 22,556 करोड़ रुपये की रहीं जबकि विदेशी मुद्रा संसाधन राशियां 3.46 बिलियन यू एस डॉलर के समतुल्य थीं। यथा 31 मार्च 2009 को बैंक की कुल उधार राशियां गत वर्ष के 31,716 करोड़ रुपये की तुलना में 17% की वृद्धि दर्ज करते हुए 37,202 करोड़ रुपये की रहीं ।

- बैंक की रुपया सावधि जमा राशियां 31 मार्च 2008 के 284 करोड़ रुपये से बढ़कर यथा 31 मार्च 2009 को 950 करोड़ रुपये हो गई तथा सावधि जमा खातों की संख्या बढ़कर लगभग 15,000 हो गई।

- 31 मार्च 2009 को बाजार से ली गई उधार राशियाँ बैंक के कुल संसाधनों का 81% थीं।

- बैंक के घरेलू ऋण लिखतों को रेटिंग एजेंसियों यथा क्रिसिल, इक्रा द्वारा 'ए ए ए' की उच्च क्रेडिट रेटिंग प्रदान की जाती रही है।

- यथा 31 मार्च 2009 को बैंक को मूडीज द्वारा बी ए ए ^{3} (स्थिर) रेटिंग, स्टैंडर्ड एंड पुअर्स द्वारा बी बी बी $^-$ (नकारात्मक) तथा फिच द्वारा बी बी बी $^-$(स्थिर) रेटिंग प्रदान की गई है। जापान क्रेडिट रेटिंग एजेंसी (जे सी आर ए) द्वारा बैंक को बी बी बी $^+$(स्थिर) रेटिंग प्रदान की गई है। वर्तमान में बैंक को प्राप्त उपर्युक्त सभी रेटिंग निवेश ग्रेड अथवा उससे ऊपर की रेटिंग हैं जो संप्रभु रेटिंग के समतुल्य हैं।

- वर्ष के दौरान भारतीय रिज़र्व बैंक द्वारा एक्ज़िम बैंक को 5,000 करोड़ रूपये की एक पुनर्वित्त सुविधा प्रदान की गई। भारतीय रिज़र्व बैंक द्वारा बैंक को 1 बिलियन यू एस डॉलर की स्वैप खरीद-बिक्री की सुविधा भी प्रदान की गई जिसका उद्देश्य भारत सरकार के आदेश पर बैंक द्वारा समुद्रपारीय वित्तीय संस्थाओं, क्षेत्रीय विकास बैंकों, संप्रभु सरकारों तथा अन्य विदेशी सत्ताओं को प्रदत्त ऋण-व्यवस्थाओं के अंतर्गत संवितरणों को पूरा करने के लिए निधिक सहायता प्रदान करना है।

नई पहलें

यूरोपीय निवेश बैंक के साथ फ्रेमवर्क ऋण-करार

- बैंक ने वर्ष के दौरान यूरोपीय संघ की एक प्रमुख दीर्घावधि ऋण-दात्री संस्था यूरोपीय निवेश बैंक (ई आई बी) के साथ 150 मिलियन यूरो की दीर्घावधि ऋण-सुविधा के लिए एक करार पर हस्ताक्षर किए हैं। ई आई बी द्वारा किसी भारतीय संस्था को पिछले 15 वर्षों में प्रदान की गई अपने तरह की यह पहली ऋण-सुविधा है। ई आई बी द्वारा एक्ज़िम बैंक को प्रदत्त इस सुविधा का उद्देश्य पर्यावरणीय परिवर्तनों को रोकने वाली परियोजनाओं को सहायता प्रदान करना, यूरोप से प्रत्यक्ष विदेशी निवेश, प्रौद्योगिकी एवं तकनीकी के अंतरण के जरिए भारत में यूरोपीय संघ की उपस्थिति को मजबूत बनाना है। इस सुविधा के अंतर्गत प्राप्त ऋण को एक्ज़िम बैंक द्वारा अक्षय ऊर्जा परियोजनाओं, ऊर्जा क्षमता में वृद्धि तथा ग्रीन हाउस गैसों के उत्सर्जन में कमी करने वाली परियोजनाओं सहित स्वच्छ पर्यावरण तथा वन-रोपण को बढ़ावा देने वाली परियोजनाओं के लिए उपकरणों के आयात हेतु ऋण देने में उपयोग किया जा सकेगा।

ग्रामीण ग्रासरुट स्तर पर व्यावसायिक पहलें

- ग्रामीण उद्योगों के वैश्वीकरण को सहयोग प्रदान करने के लिए बैंक ने अपने विशिष्ट ग्रामीण ग्रासरूट पहल कार्यक्रम के अंतर्गत प्रयासों को जारी रखा है।यह कार्यक्रम बैंक के अन्य कार्यक्रमों पर आधारित है। इसका उद्देश्य समाज के तुलनात्मक रूप से कमजोर वर्गों यथा देश के हस्तशिल्पियों, किसानों तथा ग्रामीण उद्यमियों की वित्तीय आवश्यकताओं की पूर्ति करते हुए उनके लिए वृद्धिशील अवसरों का सृजन कर उनकी सहायता करना है। इस उद्देश्य के लिए बैंक ने विभिन्न संस्थागत संबद्धताएं स्थापित करने और संपोषित करने की अपनी नीति को कार्यान्वित किया है। इस कड़ी में बैंक ने पंचायती राज मंत्रालय के साथ एक सहयोग ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं जिसका उद्देश्य ग्रामीण व्यवसाय केंद्रों के माध्यम से पंचायती राज मंत्रालय की निर्यात संवर्धन गतिविधियों को बढ़ाना है जो ग्रामीण भारत से निर्यात प्रोत्साहन की बैंक की पहलों के अनुरूप है।

- इस सहयोग व्यवस्था के अंतर्गत बैंक को वायनाड, केरल; नागपट्टिनम, तमिलनाडु तथा बस्तर, छत्तीसगढ़ में ग्रामीण व्यवसाय केन्द्रों (आर बी एच) की स्थापना के लिए गेटवे एजेंसी के रूप में प्राधिकृत किया गया है। इसके लिए बैंक द्वारा मार्च 2009 के दौरान ग्रामीण शिल्पियों तथा उद्यमियों के लिए वायनाड, केरल में एक कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम

का उद्देश्य प्रतिभागियों को ग्रामीण व्यवसाय केन्द्रों के बारे में जानकारी प्रदान करने सहित क्षेत्र से संभावित उत्पादों तथा सेवाओं की पहचान करना था। इसके साथ ही बैंक ने पेरियार मणियन्मई विश्वविद्यालय के सहयोग से नागपट्टिनम, तमिलनाडु में आर बी एच पहल के अंतर्गत ग्रामीण गरीबों के लिए रोजगार सृजन संबंधी एक कार्यक्रम को लागू करने में सहायता की है। कार्यक्रम की गतिविधियों में डेयरी विकास तथा वर्मिन कम्पोस्ट का उत्पादन शामिल है।

- अपनी ग्रामीण पहलों के अंतर्गत बैंक का उद्देश्य एक समर्थकारी एजेंसी के रूप में कार्य करना है। इसके लिए बैंक ने चेन्नै के निकट एक गैर सरकारी संगठन ट्रस्ट फॉर विलेज सेल्फ गवर्नेंस, कुथम्बकम (टी वी एस जी) को सुगंधित अगरबत्ती बनाने के लिए एक इकाई की स्थापना हेतु आई टी सी के साथ, हैमकों की बुनाई के लिए इंका हैमक लि. के साथ और फिल्टरों की असेंबलिंग के लिए इंका रेडिएंट लि. के साथ गठबंधन करने में मदद की है। इसके साथ ही बैंक ने एक अग्रणी ई-पब्लिशिंग कंपनी के लिए डेटा एंट्री/डेटा कैप्चरिंग कार्य के लिए शिक्षित ग्रामीण युवकों को नियोजित करने वाले एक बी पी ओ की स्थापना में भी टी वी एस जी की मदद की है। साथ ही बैंक ने चुनिंदा बड़े गैर सरकारी संगठनों के साथ औपचारिक सहयोग संबंध भी स्थापित किए हैं ताकि कारीगरों तक सीधे पहुंचकर क्षमता निर्माण, गुणवत्ता सुधार, बाजार पहुंच तथा प्रशिक्षण जैसे क्षेत्रों में उनकी सहायता की जा सके।

कार्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व

- एक्ज़िम बैंक कलिंगा इंस्टीट्यूट ऑफ़ सोशल साइंसेज, भुवनेश्वर की रग्बी टीम को सहायता प्रदान कर रहा है। कलिंगा इंस्टीट्यूट ऑफ़ सोशल साइंसेज जो उड़ीसा के विभिन्न भागों के 7000 से अधिक आदिवासी बच्चों को औपचारिक शिक्षा के साथ-साथ रोजगार परक शिक्षा प्रदान कर रहा है, का उद्देश्य बच्चों को केवल स्कूली शिक्षा न प्रदान कर विभिन्न नवोन्मेषी तरीकों से उनका सर्वांगीण विकास कर उन्हें आजीविका परक शिक्षा प्रदान करना है। सामाजिक उद्देश्यों की पूर्ति के अपने उत्तरदायित्वों के निर्वहन में एक्ज़िम बैंक का यह प्रयास कलिंगा इंस्टीट्यूट ऑफ़ सोशल साइंसेज की रग्बी टीम को प्रशिक्षण एवं ढांचागत सुविधाएं मुहैया कराने के साथ-साथ विभिन्न घरेलू एवं अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंटों में भाग लेने के लिए सहायता प्रदान करेगा। अगस्त 2008 के दौरान बैंक ने कलिंगा इंस्टीट्यूट ऑफ़ सोशल साइंसेज की रग्बी टीम को ऑस्ट्रेलिया में प्रसिद्ध स्थानीय रग्बी क्लबों के साथ अनेक प्रदर्शनी मैच खेलने की सुविधा प्रदान की। इस दौरे के दौरान एक खिलाड़ी को विक्टोरियन स्कूल की रग्बी यूनियन द्वारा उत्कृष्ट खेल प्रदर्शन और चरित्र के लिए 'सर एडवर्ड वियरी डनलप अवार्ड' से सम्मानित किया गया। रग्बी टीम ने नवंबर 2008 के दौरान भुवनेश्वर में आयोजित अंडर-16 ऑल इंडिया रग्बी टूर्नामेंट में भी विजय हासिल की जबकि अंडर-19 के लिए रग्बी टीम के तीन खिलाड़ियों को 2010 में नई दिल्ली में होने वाले कॉमनवेल्थ गेम्स हेतु पुणे में संभावित टीम के लिए प्रशिक्षण कैम्प के लिए चुना गया है। वर्तमान में बैंक इस संस्थान की लड़कियों की रग्बी टीम को भी सहायता प्रदान कर रहा है।

लघु एवं मध्यम उद्यमों के लिए नवोन्मेषी कार्यक्रम

- बैंक ने इंटरनेशनल ट्रेड सेंटर (आई टी सी), जिनेवा के साथ एक नवोन्मेषी 'इंटरप्राइजेज मैनेजमेंट डिवेलपमेंट सर्विसेज प्रोग्राम (ई एम डी एस)' के क्रियान्वयन हेतु एक सहयोग व्यवस्था करार किया है। यह एक सूचना प्रौद्योगिकी-क्षम कार्यक्रम है जो अंतरराष्ट्रीय बाजारों को ध्यान में रखते हुए व्यवसाय कार्यक्रम तैयार करने में लघु उद्यमियों की सहायता करेगा। यह लघु एवं मध्यम उद्यम इकाइयों को सहायता पहुंचाने तथा उन्हें आवधिक ऋण एवं निर्यात वित्त सुविधाएं प्रदान कर उनके वैश्वीकरण प्रयासों में मदद पहुंचाने की एक अनूठी पहल है। बैंक ने आई टी सी को इस कार्यक्रम को लागू करने में सहभागिता की है।

- बैंक राष्ट्रकुल सचिवालय द्वारा चलाए जा रहे कार्यक्रम '8वें कॉमनवेल्थ-इंडिया स्मॉल बिजनेस कॉम्पीटिटिव डिवेलपमेंट प्रोग्राम' में सहभागिता कर रहा है। इसके अंतर्गत जून 2008 में चेन्नै तथा पुडुचेरी में ''सूक्ष्म तथा लघु उद्यम-आर्थिक वृद्धि तथा निर्यात विकास के एजेंट'' विषय पर कार्यक्रमों के आयोजन में बैंक ने सहभागिता की। इस कार्यक्रम का उद्देश्य राष्ट्रकुल के सदस्य देशों में आर्थिक विकास (वर्धित रोजगार, निवेश, व्यापार तथा क्रियाकलाप) का संवर्द्धन करने वाली क्षमता विकास पहलों को कार्यान्वित करना है।

शोध एवं आयोजना

- वर्ष के दौरान बैंक द्वारा 9 प्रासंगिक आलेख नामतः वित्तीय उदारीकरण तथा इसके संवितरक परिणाम; भारतीय पूंजीगत माल उद्योगः एक क्षेत्रीय अध्ययन; वैश्विक संदर्भ में भारतीय टेक्सटाइल एवं कपड़ा उद्योगः प्रमुख विशेषताएं तथा मुद्दे; फेयर ट्रेडः निर्यात मूल्य बढ़ाने का उचित तरीका; भारतीय ऑटोमोटिव उद्योगः आगे की राह, दक्षेसः एक सशक्त उभरता व्यापार खंड; इकोवासः भारतीय व्यापार एवं निवेश के लिए अवसरों पर अध्ययन; इबसाः महाद्वीपों के बीच आर्थिक सहयोग संवर्द्धन; कैरिकॉमः अमेरिका का प्रवेश द्वार आदि प्रमुख हैं।

एक्ज़िम बैंकों तथा विकास वित्त संस्थाओं का वैश्विक नेटवर्क

- एक्ज़िम बैंकों तथा विकास वित्त संस्थाओं के वैश्विक नेटवर्क (जी-नेक्ज़िड) की स्थापना एक्ज़िम बैंक की पहल पर अंकटाड के तत्वावधान में जिनेवा में मार्च 2006 में की गई थी। नेटवर्क ने दक्षिण-दक्षिण सहयोग तथा निवेश को बढ़ाने में अच्छा कार्य किया है। अंकटाड द्वारा जी-नेक्ज़िड को प्रदान किया गया 'प्रेक्षक' का दर्जा फोरम को इसके सहयोग को प्रदर्शित करता है। इसकी सदस्य संख्या मार्च 2009 तक बढ़कर 24 हो गई है जो विकासशील देशों में फोरम के विजन की स्वीकार्यता को दर्शाता है।

- विद्यमान वैश्विक संकट से एस एम ई क्षेत्र के समक्ष उत्पन्न चुनौतियों का सामना करने तथा अवसरों का लाभ उठाने के लिए जी-नेक्सिड ने बंक दि फाइनेंसमेंट डिस पेटाइटिस एट मोइनिस इंटरप्राइजेज (बी एफ पी एम ई), ट्यूनिशिया के साथ मिलकर जनवरी 2009 में ट्यूनिस में एक सेमिनार का आयोजन किया। इस सेमिनार में जी-नेक्सिड की सदस्य संस्थाओं ने लघु एवं मध्यम उद्यमों के विकास तथा चुनौतियों सहित वैश्विक संदर्भ में एस एम ई वित्तपोषण, एस एम ई वित्तपोषण रणनीतियों, दृष्टिकोण, जोखिम प्रबंधन तथा एस एम ई वित्तपोषण में सर्वोत्तम पद्धतियां आदि विषयों पर चर्चा की तथा अपने अनुभवों का आदान-प्रदान किया।

एडफिएप डिवेलपमेंट अवार्ड

- एशिया तथा प्रशांत में विकास वित्तपोषण संस्थाओं के संघ (एडफिएप) का डिवेलपमेंट अवार्ड ऐसी एडफिएप सदस्य संस्थाओं को सम्मानित करता है, जिन्होंने ऐसी परियोजनाओं को वित्तीय सहायता दी है जिनसे संबंधित देशों में एक विकासात्मक प्रभाव उत्पन्न हुआ है। यह अवार्ड उन सदस्य संस्थाओं को दिए जाते हैं जिन्होंने वर्ष के दौरान उल्लेखनीय तथा नवोन्मेषीय विकास परियोजनाओं को कार्यान्वित या प्रवर्धित किया है।

- बैंक को वर्ष 2009 के लिए 'ट्रेड डिवेलपमेंट पुरस्कार' प्रदान किया गया है। यह पुरस्कार बैंक के कार्यक्रम 'विदेशी निवेश वित्त कार्यक्रम' के लिए दिया गया है। इस कार्यक्रम का उद्देश्य विदेशी निवेश के जरिए व्यापार सृजन को उत्प्रेरित करते हुए भारतीय कंपनियों को क्षेत्रीय तथा वैश्विक बाजारों में अपनी जगह बनाने के लिए अपने उत्पादन को बेहतर रूप से संगठित करने में मदद करना है। इस कार्यक्रम के अंतर्गत बैंक का उद्‌देश्य भारतीय विदेशी निवेश कार्यक्रम के पूरे चक्र में सुविधाएं प्रदान करना है। इसके लिए बैंक भारतीय संयुक्त उद्यमों, पूर्ण स्वामित्व वाली कंपनियों तथा निर्यात उन्मुख लघु एवं मध्यम उद्यमों को वित्तीय सहायता प्रदान करने सहित विश्लेषणात्मक सूचनाएं, भागीदारों की पहचान, व्यवहार्यता अध्ययन, समीक्षा तथा सतर्कता आदि के संबंध में सूचना एवं सलाहकारी सेवाएं प्रदान करता है।

स्थापना दिवस वार्षिक अभिभाषण 2009

- श्री जस्टिन यिफु लिन, मुख्य अर्थशास्त्री एवं वरिष्ठ उपाध्यक्ष, विश्व बैंक ने वर्ष 2009 के लिए बैंक का 24 वां स्थापना दिवस वार्षिक व्याख्यान दिया। श्री लिन ने "कींस के अर्थशास्त्र से परेः विकास के प्रोत्साहन" विषय पर अपना व्याख्यान दिया। डॉ. दिलीप एम. नाचने, निदेशक इंदिरा गॉधी इंस्टीट्यूट ऑफ़ डिवेलपमेंट रिसर्च (आई जी आई डी आर), मुंबई ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की।

विस्तृत जानकारी के लिए, कृपया संपर्क कीजिए : श्री डेविड सिनाटे, महाप्रबंधक, भारतीय निर्यात-आयात बैंक, केंद्र एक भवन, विश्व व्यापार केंद्र संकुल, 21 वीं मंज़िल कफ़ परेड, मुंबई-400 005 (टेलीफोनः 22172829, फैक्स : 22182572 ई मेलः cag@eximbankindia.in वेबसाइट : www.eximbankindia.in